UPGK010101062026

न्यायालय: जनपद न्यायाधीश, गोरखपुर।

सिविल प्रकीर्ण वाद संख्या–222/2026

मारकण्डेय बनाम गोरख यादव आदि

दिनांक: 10.07.2026

यह अन्तरण प्रार्थना–पत्र 4 ग सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा– 24 के अन्तर्गत आवेदक की ओर से इजरा वाद सं०–20/2016 नवीन्द्र कुमार बनाम बाबूलाल आदि तथा प्रकीर्ण वाद सं०–327/2025 शारदा देवी बनाम नवीन्द्र कुमार की पत्रावलियां, जो प्रशासनिक आदेश से भिन्न–भिन्न न्यायालयों में विचाराधीन है, को प्रार्थना–पत्र में वर्णित आधारों पर किसी एक न्यायालय में अन्तरित किये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है।

अन्तरण प्रार्थना–पत्र में उल्लिखित तथ्यों के सम्बन्ध में सम्बन्धित न्यायालयों से आख्या आहूत की गयी। न्यायालय सिविल जज (जू०डि०), गोरखपुर के प्रभारी अधिकारी द्वारा प्रस्तुत आख्या के अनुसार प्रकीर्ण वाद सं०–327/2025 शारदा देवी बनाम नवीन्द्र कुमार की पत्रावली उनके न्यायालय में विचारण हेतु लम्बित है।

अन्तरण प्रार्थना–पत्र पर आवेदक के विद्वान अधिवक्ता के तर्कों को सुना।

अतः उपरोक्त तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र 4 ग स्वीकार किया जाता है। प्रकीर्ण वाद सं०–327/2025 शारदा देवी बनाम नवीन्द्र कुमार की पत्रावली को सिविल जज (जू0डि०), गोरखपुर के न्यायालय से वापस लेकर विधि अनुसार निस्तारण हेतु अपर सिविल जज (जू०डि०) कोर्ट सं०–3, गोरखपुर के न्यायालय में स्थानान्तरित किया जाता है।

(राज कुमार सिंह)

जनपद न्यायाधीश, गोरखपुर।

J.O. Code–UP01889

Digitally signed by RAJ KUMAR SINGH
Date: 2026.07.10 16:39:39 IST
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court